अभ्यास

1. पाठ से

(क) लोककथा में गोमा बिना खेत जोते अपने बैलों को हाँहकर घर की ओर क्यों चल पड़ा?

उत्तर
वर्षा ने होने के कारण सूखा पड़ा था। उसने सोचा वर्षा की कोई आशा नहीं है तो खेत जोतकर क्या करूँगा। इसलिए वह बिना खेत जोते बैलों को घर वापस ले आया।

(ख) गोमा को पेड़ के नीचे बैठा देखकर बूढ़ी अम्मा ने उससे क्या कहा?

उत्तर
गोमा को पेड़ के नीचे बैठे देखकर बूढ़ी अम्मा ने कहा, ये समय तो खेत जोतने का है और तुम आराम कर रहे हो। तुम अपना खेत जोतो। वर्षा भी हो जाएगी। तुम अपना काम समय पर करो। प्रकृति अपना काम समय पर करेगी।

(ग) गोमा ने अपने खेतों को क्यों जोता?

उत्तर
गोमा ने अपने खेतों को बूढ़ी अम्मा के कहने पर जोता क्योंकि उसे समझ आ गया था कि अपना काम समय पर करना चाहिए।

2. क्या होता अगर

(क) गोमा खेतों को तैयार न करता?
उत्तर: यदि गोमा खेतों को तैयार न करता तो वर्षा का पानी पूरी तरह खेतों को नहीं मिल पाता।

(ख) गोमा को बूढ़ी अम्मा नहीं मिलती?

उत्तर: यदि गोमा को बूढ़ी अम्मा नहीं मिलती तो शायद वह असमंजस में ही रह जाता और समय पर खेत नहीं जोत पाता।

(ग) बूढ़ी अम्मा की बात पर गोमा ध्यान न देता?

उत्तर: यदि गोमा बूढ़ी अम्मा की बात पर ध्यान न देता तो वर्षा का उपयोगी जल खेतों को नहीं मिलता।

(घ) इस साल भी वर्षा न होती?

उत्तर: यदि इस साल भी वर्षा न होती तो सूखा पड़ जाता। अनाज नहीं हो पाता।

4. गाँव और पशु

(क) "इस वर्ष भी आषाढ़ सूखा ही रहा।"

लोककथा से जाहिर होता है कि गोमा के गाँव में तीन साल से वर्षा नहीं हुई थी। वर्षा न होने के कारण उनके गाँव के बैलों, खेतों और पेड़ों में क्या बदलाव आए होंगे?

(ख) "सवेरे-सवेरे अपने पशुओं की ये आवाज़ें सुनने के लिए उसके कान तरस गए थे।"

गोमा ने बहुत समय बाद अपने पशुओं की वे आवाज़ें सुनी थीं। क्यों?

उत्तर

(क) गाँव के बैलों, खेतों और पेड़ों की दशा खराब हो गई होगी। खेत और पेड़ सूख गए होंगे। बैलों को खाने को कुछ नहीं मिला होगा। वे कमज़ोर पड़ गए होंगे।

(ख) गोमा ने यह आवाज़ें बहुत दिनों बाद सुनी थी क्योंकि वर्षा न होने से जानवर उदास थे। बादलों को देखकर गाय खुशी के मारे रंभाने लगी थी। बकरियाँ मिमियाने लगी थीं।

11. अपनी भाषा

नीचे लिखे वाक्यों को अपने ढंग से सार्थक रूप में तुम जिस तरह भी लिख सकते हो वैसे लिखो।

(क) उसने बादलों को जी भर निहारा।

(ख) वर्षा की कोई आशा नहीं बँध रही थी।

(ग) गोमा ने फिर हिम्मत बटोरी।

(घ) उसने घर की राह पकड़ ली।

(ङ) वर्षा बरसाना तुम्हारे हाथ में नहीं है।

उत्तर

(क) जी भर उसने बादलों को निहारा।

(ख) वर्षा की कोई आशा ही नहीं थी।

(ग) गोमा ने फिर हिम्मत की।

(घ) उसने घर की राह ली।
(ङ) वर्षा का होना तुम्हारे हाथ में नहीं है।